**भारत सरकार**

**सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्याः 1217**

**उत्तर देने की तारीखः 03.12.2024**

**असम में नमस्ते योजना**

**1217. श्री प्रद्युत बोरदोलोई:**

क्या **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या असम में सीवर और सेप्टिक टैंककर्मियों (एसएसडब्ल्यू) की प्रोफाइलिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और यदि हां, तो असम में एसएसडब्ल्यू की जातिगत संरचना का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या असम के सभी जिलों ने एक जवाबदेह स्वच्छता प्राधिकारी की नियुक्ति की है और स्वच्छता अनुक्रिया इकाइयों की स्थापना की है;

(ग) नमस्ते योजना के आरंभ से लेकर अब तक असम में इसके अंतर्गत कुल कितनी निधि संवितरित और उपयोग की गई है;

(घ) क्या असम में सभी पात्र शहरी स्थानीय निकायों ने आपातकालीन प्रतिक्रिया स्वच्छता इकाइयों (ईआरएसयू) की स्थापना कर ली है; और

(ङ) विगत पांच वर्षों के दौरान असम में नमस्ते योजना हेतु कौशल विकाम प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल कितनी निधि संवितरित की गई है और कितने लोग लाभान्वित हुए हैं?

**उत्तर**

**सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री**

**(श्री रामदास आठवले)**

**(क):** असम में 359 सीवर और सेप्टिक टैंककर्मियों (एसएसडब्ल्यू) की प्रोफाइलिंग कर ली गई है और उनमें से 326 एसएसडब्ल्यू को मान्य किया गया है।

सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई का काम जाति आधारित पहचान के बजाय एक व्यवसाय आधारित है। तथापि, असम राज्य में मान्य एसएसडब्ल्यू की श्रेणीवार संरचना इस प्रकार हैः -

| श्रेणी | प्रतिशत |
|---|---|
| सामान्य | 11.6 |
| अन्य पिछड़ा वर्ग | 6.2 |
| अनुसूचित जाति | 72.7 |
| अनुसूचित जनजाति | 9.5 |

**(ख):** असम सरकार ने जवाबदेह स्वच्छता प्राधिकारी (आरएसए) नियुक्त किया है तथा आपातकालीन अनुक्रिया स्वच्छता इकाई (ईआरएसयू) स्थापित की है।

**(ग):** राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता इकोसिस्टम कार्ययोजना (नमस्ते) योजना के विभिन्न घटकों के लिए असम को 5.93 लाख रुपए वितरित किए गए हैं।

**(घ):** असम सरकार ने सभी पात्र शहरी स्थानीय निकायों में आपातकालीन अनुक्रिया स्वच्छता इकाइयां (ईआरएसयू) स्थापित की हैं।

**(ङ):** असम में मैनुअल स्कैवेंजर्स के पुनर्वास के लिए स्वरोजगार योजना (एसआरएमएस) के अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 50.36 लाख रुपये वितरित किए गए हैं और 613 मैनुअल स्कैवेंजरों/आश्रितों को प्रशिक्षित किया गया है, जिसे नमस्ते योजना में शामिल कर लिया गया है।

******